Dainik Bhaskar (Indore), 27th February 2024, Page-06

इनक्यूबेशन सेंटर के इनोवेशन • कोई बना रहा सर्जरी में मदद करने वाला रोबोट, तो कोई दे रहा डॉक्टरों को एमआरआई सीटी स्कैन का 3डी मॉडल

आईआईटी के सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थकेयर से मदद ले रहे देशभर के 29 मेडटेक स्टार्टअप

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर के इनक्यूबेशन सेंटर दृष्टि सीपीएस में हाल ही में शुरू हुए चरक सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थकेयर से जुड़कर देशभर के 29 हेल्थकेयर स्टार्टअप अपने नए आइडिया पर काम कर रहे हैं। कोई रोबोटिक्स पर काम कर रहे हैं तो कोई एआई से सीटी और एमआरआई स्कैन के मॉडल बनवा रहा है। 15 स्टार्टअप ऐसे हैं जो डमी पर प्रशिक्षण करने के लिए मेडिकल सिमुलेशन डिवाइस बना रहे हैं।

सेंटर से जुड़े स्टार्टअप की संख्या आने वाले दिनों में 50 तक पहुंचाने की योजना है। यहां से जुड़े स्टार्टअप को अब तक दृष्टि फाउंडेशन से 10 से 15 लाख रुपए की फंडिंग मिली है। सेंटर के लिए आने वाले महीनों में 10 करोड़ का निवेश किया जाएगा, जिसमें कई अत्याधुनिक टेस्टिंग मशीनें लाइ जाएंगी, जिससे स्टार्टअप द्वारा बनाए जा रहे प्रोडक्ट्स की टेस्टिंग आईआईटी इंदौर में ही हो सके।

दृष्टि फाउंडेशन के सीईओ आदित्य व्यास ने बताया चरक फाउंडेशन के लिए देशभर के एम्स के डॉक्टरों का सहयोग मिल रहा है जो हमारे स्टार्टअप की मेंटरिंग कर रहे हैं। साथ ही वे स्टार्टअप को बता रहे हैं कि मेडिकल क्षेत्र की ऐसी कौन सी समस्याएं हैं जिनसे डॉक्टर रोज जूझते हैं जिन्हें टेक्नोलॉजी के माध्यम से सुलझाया जा सकता है या आसान बनाया जा सकता है।

कौन सी मशीनें लाई जाएंगी

- **चेस्ट टेस्ट मशीन :** फेफड़ों की बीमारियों के लिए बनी दवाई की टेस्टिंग हो सके
- वेंटिलेटर जिसमें और भी अन्य सुविधाएं हों

- इमरजेंसी पेशेंट मॉनिटर
- एमआरआई - एक्सरे
- सीटी एनालाइजर
- सिमुलेशन टेबल

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में कैमरा पकड़ने के लिए बनाया रोबोट

चरक सेंटर से जुड़े हैदराबाद के स्टार्टअप ने भारत में ही ऐसा रोबोट बनाया है जो लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में मरीज के शरीर के अंदर कैमरा पकड़ सके और जहां ऑपरेशन करना है, उस स्थान को दिखा सके। इससे आने वाले समय में सर्जरी के दौरान असिस्टेंट कि जरूरत नहीं रहेगी और डॉक्टर खुद रोबोट की मदद से कैमरा को एक स्थान पर केंद्रित करते हुए सर्जरी कर सकते हैं। विदेशों में उपलब्ध इस मशीन की कीमत 1.25 करोड़ रुपए है वहीं हैदराबाद के स्टार्टअप ने इसकी प्रस्तावित कीमत 25 लाख रुपए रखी है। कंपनी के श्रवण कुमार एम ने जिस टेक्नोलॉजी की मदद से ये रोबोट बनाया है, उसे 4 पेटेंट भी मिल चुके हैं।

सीटी-एमआरआई स्कैन का 3डी मॉडल बना रहा तीन महिलाओं का स्टार्टअप

ब्रेन ट्यूमर, पेट के गंभीर इन्फेक्शन, फेफड़ों की बीमारियों के ऑपरेशन को प्लान करने से पहले डॉक्टरों को इन्फेक्शन का सटीक चित्र दिखाने के लिए उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश की तीन महिलाओं ने एक स्टार्टअप शुरू किया है, जिसमें वे सीटी-एमआरआई और पेट स्कैन से मिले डाटा को एक एआई सॉफ्टवेयर की मदद से बड़े 3डी इमेज का रूप दे देती हैं जो शरीर के अंदर इन्फेक्शन के उस स्थान के आसपास का एक स्पष्ट चित्र दिखाए। इसके लिए डॉक्टरों को वीआर चश्मे भी दिए जा रहे हैं, जिससे वो उस इन्फेक्शन के आसपास घूमकर सभी एंगल से देख सकते हैं। स्टार्टअप फाउंडर नूर फातमा, मीनल गुप्ता और शीतल तारकस ने इस आइडिया पर दिसंबर 2021 में काम किया और जनवरी 2023 में प्रोडक्ट को लॉन्च किया। अब तक ये सिस्टम देशभर के 10 से अधिक अस्पतालों में लागू किया जा चुका है। इसमें विदिशा जिला अस्पताल भी शामिल हैं। एक दिन में 50 से अधिक स्कैन का डाटा आता है जिसमें से लगभग 25 पर एआई पोर्टल की मदद लेकर ऑपरेशन प्लान किया जाता है।

चेस्ट ड्रेन के प्रोसीजर को बेहतर करने के लिए चेस्ट ड्रेन पैच बनाया

सीने में हुए किसी भी प्रकार के आघात में आम तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले चेस्ट ड्रेन के प्रोसीजर को और बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए एक स्टार्टअप ने चेस्ट ड्रेन पैच बनाया है जिससे फेफड़े खाली करने के लिए अंदर डाली जाने वाली ट्यूब को बिना हवा जाए अंदर डाला जा सके और फेफड़ों से निकलने वाले फ्लूइड को भी बिना हवा के संपर्क में आए एक बोतल में इकट्ठा किया जा सकेगा। इससे इसकी टेस्टिंग भी आसान होगी और आधे से एक घंटे में पता चल सकेगा की आगे का इलाज कैसे करना है। स्टार्टअप फाउंडर हर्षिनी जावेरी ने बताया कि आगे चलकर हम इस मशीन में ही उस फ्लूइड कि जांच करने कि सुविधा भी देंगे।